अव्यक्त पालना का रिटर्न

सर्व खजानों पर अधिकार

1 समाने की शक्ति अपनी परसेंटेज में है। इस कारण सभी सेंट-परसेंट (*Cent-Percent*) नहीं बन पाते। अर्थात् सर्व बाप समान नहीं बन सकते।

2 संकल्प सभी का है, लेकिन स्वरूप में ला नहीं सकते।

3 हर एक को अपने खजानें की परसेंटेज चौक करनी चाहिए कि सभी से ज्यादा कौनसा खजाना है, जिसको व्यर्थ करने से सर्व खजानों में भी कमी हो जाती है - और वह खजाना मैजारिटी (*Majority*) व्यर्थ करते हैं इसलिए नम्बरवार बनते हैं।

23.04.77

प्रश्न हमारे, उत्तर बापदादा के

प्रश्न :

मीठे बाबा, सूर्यवंशी आत्माओं के बारे में क्या कर्तव्य बताये ?

उत्तर :

मीठे बच्चे, सूर्यवंशी आत्माओं के बारे में कर्तव्य बताये-

अपनी शक्तियों की किरणों द्वारा किसी भी प्रकार का किचड़ा अर्थात् कमी व कमजोरी है, तो सूर्य का काम है सेकेण्ड में किचड़े को भस्म करना। ऐसा भस्म कर देना जो नाम, रूप, रंग सदा के लिए समाप्त हो जाए।

जैसे शरीर को अग्नि द्वारा जलाते हैं, तो सदा के लिए नाम, रूप, रंग समाप्त हो जाता है।

तो भस्म करना अर्थात् 'भस्म' बना देना। राख को भस्म भी कहते हैं। तो सूर्यवंशी का यह कर्त्तव्य है। न सिर्फ अपनी लेकिन औरों की कमजोरियों को भी भस्म बना देना।

23.04.77

मन की बात... बाप-दादा के साथ

मैं आत्मा :-

प्यारे बाबा, अलबेला का क्या अर्थ है? पश्चाताप के संस्कार कैसे बनते हैं?

बापदादा :-

मीठे बच्चे, अलबेला अर्थात् करने के समय करते हुए भी उस समय जानते नहीं हो कि कर रहे हैं, पीछे पश्चात्ताप करते हो।

★ इस कारण डबल, ट्रिपल समय एक बात में गंवा देते हो।

★ एक करने का समय, दूसरा महसूस करने का समय, तीसरा पश्चात्ताप करने का समय, चौथा फिर उसको चैक करने के बाद चेंज करने का समय। तो एक छोटी सी बात में इतना समय व्यर्थ कर देते हो।

★ फिर बार-बार पश्चात्ताप करते रहने के कारण, कर्मों का फल संस्कार रूप में पश्चात्ताप के संस्कार बन जाते हैं। जिसको साधारण भाषा में 'मेरी आदत' या नेचर (Nature;प्रकृति व स्वभाव) कहते हो।

23.04.77

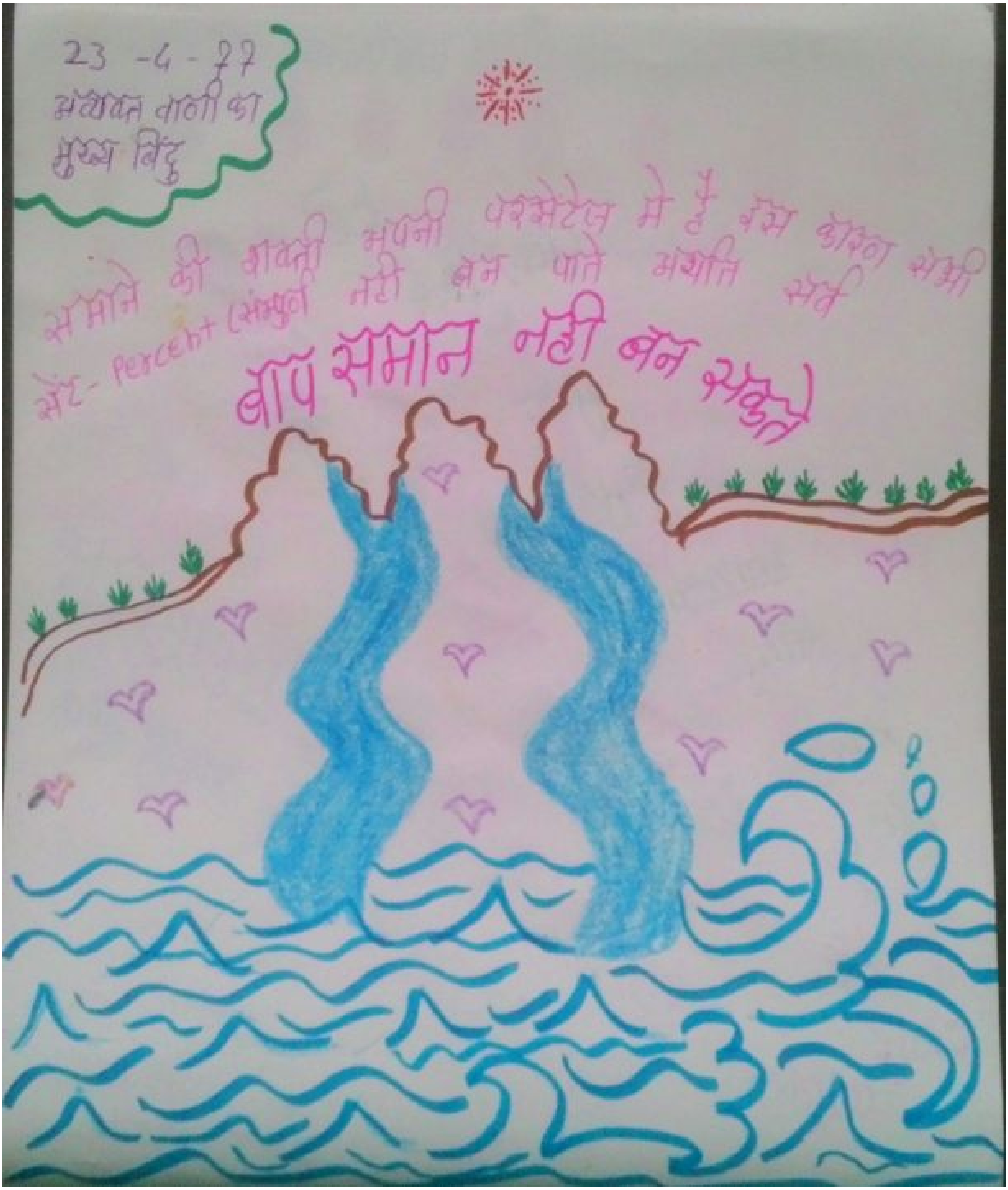
23-4-77
अव्यक्त वाणी का
मुख्य बिंदु
समाने की शक्ति अपनी परसेंटेज में है इस कारण सभी
सेंट-percent (सम्पूर्ण) नहीं बन पाते अर्थात सर्व
बाप समान नहीं बन सकते

23-04-77 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं सूर्यवंशी हूँ।

सूर्यवंशी अर्थात् सूर्य समान मास्टर सूर्य। अपनी शक्तियों की किरणों द्वारा किसी भी प्रकार का किचड़ा, कमी व कमजोरी को भस्म करने वाली। सर्व प्राप्ति सम्पन्न स्वरूप।

23-04-77

बाप द्वारा प्राप्त सर्व खजानों को बढ़ाने का आधार है - महादानी बनना

● समय का खजाना,
● शुभ संकल्पो का खजाना; पवित्रता का खजाना ; खुशी का खजाना

★बाबा ने मुझे सर्व खजानो का मालिक बना दिया★

★अपनी शक्तियों की किरणों द्वारा किसी भी प्रकार का किचड़ा अर्थात कमी व कमजोरी है, तो सूर्य का काम है सैकेण्ड में किचड़ को भस्म करना।

★ संकल्पो के खज़ाने मे सदा कल्याणकारी भावना के आधार पर, हर सैकेण्ड मे अनेक पद्मों की कमाई कर सकते हो।